'RESEARCH JOURNEY' International Multidisciplinary E- Research Journal
Impact Factor - (CIF) - 3.452, (SJIF) - 3.009, (GIF) -0.676 (2013)
Special Issue 21 : भाषा, साहित्य आणि अनुवाद
UGC Approved No. 40705 & 44117
ISSN : 2348-7143
December 2017

अनुवाद : स्वरूप एवं समस्याएँ

डॉ. शैलजा जायस्वाल
अध्यक्ष–हिन्दी विभाग,
एम.जी. विद्यामंदिर,
कला,विज्ञान,वाणिज्य महाविद्यालय,
मनमाड, नाशिक.
dr.shailajajaiswal@gmail.com

भूमिका :–

भारत देश विशाल संस्कृति को देश है। यहाँ विभिन्न धर्म, समुदाय, वर्ण, जाति एवं भाषाओं को बोलने वाले निवासी है। भाषा ही नहीं यहाँ विभिन्न बोलियाँ भी व्यवहार में है। प्रत्येक मनुष्य बहुभाषिक नहीं होता है। अनुवाद ही एक ऐसी विधा है, जिसके माध्यम से हम विभिन्न भाषाओं के साहित्य, संस्कृति, सभ्यता समाज का ज्ञान प्राप्त कर सकते है। अनुवाद से साहित्यिक सम्पदा में श्री वृद्धि होती है। आज हम वैश्वीकरण के युग में रहते है, ज्ञान विज्ञान, तकनीकी प्रौद्योगिकी, प्रशासन संचार आदि नये–नये क्षेत्रों की सम्पूर्ण जानकारी हेतु अनुवाद विधा महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह कर रही है। अनुवाद विभिन्न क्षेत्रों में समन्वयवादी दृष्टिकोण स्थापित करता है। नवनिर्माण की क्षमता इसमें समाहित है। अनुवाद भावनाओं कों, विचारों को अभिव्यक्त करने वाला वह सेतु हे, जो अनेकता से एकता स्थापित करता है। समाज में व्यक्ति, व्यक्ति के बीच पारस्पारिक सम्पर्क की अनिवार्यता के कारण अनुवाद को माध्यम बनाया जाता है।

स्वरूप एवं परिभाषा :.

सफल अनुवादक मूलभाषा के लेखक की भावभूमि कें पहुँचकर, उसके भावों को आत्मसात कर समग्रता और उदारता के साथ लक्ष्य–भाषा में प्रस्तुत करता है। अनुवाद को परिभाषित करने का प्रयास विभिन्न विद्वानों ने किया हैं:.

ऋग्वेद में लिखा है–

अन्वेको वदनि यददाति
(पश्चात कथन अनुवाद है)

पाणिनी के अनुसार

अनुवादे चरणाम्–अनुवाद प्राय:कथन है

भर्तहरि के अनुसार–

आवृतिरनुवादौवा– आवृति अनुवाद है।

इस तरह संस्कृत साहित्य में उपरोक्त परिभाषाओं के अनुसार आवृति, पुन:कथन दुहराना। जो ज्ञान हे उसे कहना, ज्ञात को कहना आदि अर्थो में हुआ हैं।

भोलानाथ तिवारी–भाषा ध्वन्यात्मक प्रतीकों की व्यवस्था है, और अनुवाद उन्हीं प्रतीकों का प्रतिस्थापन है। उनका कथन है कि –मैं अनुवाद या भाषान्तर को 'प्रतीकान्तर' का एक भेद मानता हूँ....हम जानते है कि विचार किसी न किसी प्रतीक द्वारा व्यक्त किये जाते है...